Downloaded from www.studiestoday.com

अध्याय-3

समकालीन विश्व में अमेरिकी वर्चस्व

स्मरणीय बिन्दु-

शीतयुद्ध का अंत हो गया तथा अमरीका विश्व की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभरा, अमरीकी प्रभुत्व या एक ध्रुवीय विश्व का युग आरंभ हुआ।

नयी विश्व व्यवस्था की शुरूआत हुई, संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इराक के विरूद्ध बल प्रयोग की अनुमति दिए जाने की अमरीकी राष्ट्रपति जार्जबुश ने नई विश्व व्यवस्था की संज्ञा दी।

दूसरों के व्यवहार को प्रभावित या नियंत्रित करने की क्षमता जिससे कि हम उनसे मनचाहा काम कर सकें - वर्चस्व (आधिपत्य) कहलाता है।

इतिहास हमें बताता है कि विश्व में किसी भी देश का वर्चस्व स्थाई नहीं रह सकता।

विश्व राजनीति में विभिन्न देश या देशों के समूह ताकत पाने और कायम रखने की लगातार कोशिश करते हैं। यह ताकत सैन्य प्रभुत्व, आर्थिक शक्ति, राजनीतिक रुतबे और सांस्कृतिक विकास के रूप में होती है।

अमेरिकी वर्चस्व की शुरुआत सोवियत रूस के 1991 के विघटन के बाद हुई। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरा था।

अमेरिका द्वारा जापान के विरुद्ध परमाणु बम का प्रयोग।

युद्ध के दौरान अमेरिका का निर्यात बढ़ा व विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया।

विश्व पर वर्चस्व का प्रभाव :- इराक ने कुवैत पर हमला किया संयुक्त राष्ट्रसंघ ने कुवैत को मुक्त कराने का फैसला लिया। UN ने इसे 'आपरेश डेजर्ट स्टार्म' सैनिक अभियान का नाम दिया। संयुक्त राष्ट्र संघ की आड़ में यह अमेरिकी अभियान था इसकी सेना के प्रमुख जनरल नार्मन श्वार्जकांव थे। 34 देशों की सेना में 75 प्रतिशत सैनिक अमेरिका के थे। इराक की हार हुई इसके अतिरिक्त समुद्री मार्ग, स्वतंत्र व्यापार, उदारीकरण, सी.टी.बी.टी., विश्व बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, आर्थिक प्रतिबन्धों द्वारा प्रभाव डालना आदि।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्रथम खाड़ी युद्ध के द्वारा अमेरिका ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया इसे 'कम्प्यूटर युद्ध' की संज्ञा दी तथा ''वीडियो गेम वार'' भी कहा जाता है।

1992-2000 चुनावों में बिल क्लिंटन अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में दिलचस्पी नहीं दिखाई। 1999 में युगोस्लाविया पर सैन्य कार्यवाही की गई जबकि वहां अल्बानियाई लोगों ने आन्दोलन किया इसको दबाने के लिए नाटो सेनाओं ने कोसोवो पर अपना कब्जा किया।

1998 में नैरोबी (केन्या) तथा दारे-सलाम (तंजानिया) के अमेरिकी दूतावासों पर बमबारी हुई इसका जिम्मेदार अलकायदा आतंकवादी इस्लामी संगठन को माना गया। इसके प्रतिशोध में अमेरिकन राष्ट्रपति ने ''आपरेशन इनफाइनाइट रीच'' का आदेश दिया इसके अन्तर्गत सूडान और अफगानिस्तान में अलकायदा के ठिकानों पर क्रूज मिसाइलों से बमबारी की गई। इसकी जानकारी अमेरिका ने UN को भी नहीं दी।

11 सितम्बर 2001 आतंकवादी घटना के विरुद्ध 'आपरेशन एन्डयूरिंग फ्रीडम' चलाया। इस आपरेशन में अमेरिका ने सभी देशों को विश्व से आतंकवाद का सफाया करने में योगदान करने को कहा। इसे 9/11 की घटना से जाना जाता है। यह घटना अमेरिका की शक्ति और उसके वर्चस्व को खुली चुनौती थी।

इस आपरेशन में अमेरिका ने 'अलकायदा' और अफगानिस्तान के तालिबान को निशाना बनाया। 9/11 की घटना का प्रभुत्व अलकायदा के ओसामा बिन लादेन के द्वारा निर्देशित थी।

19 मार्च 2003 इराक पर आक्रमण UN की अनुमति के बिना आक्रमण किया। सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों फ्रांस, रूस और चीन ने भी इसकी आलोचना की वास्तव में अमेरिका इराक में सद्दाम हुसैन के शासन को समाप्त करना, अपनी पसन्द की सरकार स्थापित करना तथा इराक के तेल भंडार पर नियंत्रण करना था। इसे 'आपरेशन इराकी फ्रीडम' कहा गया। सद्दाम हुसैन को बन्दी बनाया, उस पर मुकदमा चला, दिसम्बर 2006 में उसे फांसी दे दी गई।

अमेरिका एक मात्र महाशक्ति के रूप में है उसने राजनीति को अपनी इच्छानुसार चलाने के प्रयास किये, अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं, संगठनों तथा समझौतों की परवाह नहीं की अपनी बात मनवाने के प्रयास किये? परन्तु यह दादागिरी कहीं भी गांव, नगर, प्रांत, राष्ट्र तथा विश्व में अधिक दिन नहीं चलती उसे चुनौती मिलती है।

अमरीकी शक्ति के रास्ते में अवरोध :- अमरीका की संस्थागत बनावट है। यहां शासन के तीन अंगों के बीच शक्ति का बंटवारा है। कार्यपालिका द्वारा सैन्य शक्ति पर अंकुश लगाने का काम करती है।

अमरीकी समाज जो अपनी प्रकृति में उन्मुक्त है। अमरीका के विदेशी सैन्य-अभियानों पर अंकुश रखने में बड़ी भूमिका निभाती है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

नाटो (उत्तरी अटलांटिक ट्रीटी आर्गनाइजेशन) इन देशों में बाजारमूलक अर्थव्यवस्था चलती है। नाटो में शामिल देश अमेरिका के वर्चस्व पर अंकुश लगा सकते हैं।

भारत-अमेरिका संबंध- सोवियत संघ के पतन के बाद भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था का उदारीकरण करने तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने का फैसला किया। इस नीति द्वारा आर्थिक वृद्धिदर के कारण भारत अमेरिका समेत कई देशों के लिए आर्थिक सहयोगी बन गया है। भारत-अमरीकी संबंधों के बीच दो नई बातें उभरी इन बातों का संबंध प्रौद्योगिकी और अमरीका में बसे अनिवासी भारतीयों से है।

एक अंकीय प्रश्न

1. प्रथम खाड़ी युद्ध को किस ऑपरेशन के नाम से जाना जाता है?
2. अमरीका का आर्थिक वर्चस्वता को चुनौती कौन से देश दे रहे हैं?
3. समकालीन विश्व में अमरीकी वर्चस्व की शुरुआत कब हुई?
4. 'प्रथम खाड़ी युद्ध' किन देशों के बीच लड़ा गया था?
5. कौन-सा युद्ध वीडियो गेमवार बन गया था?
6. राष्ट्रपति क्लिंटन के समय कौन-सा ऑपरेशन हुआ था?
7. आतंकवाद के खिलाफ 'विश्वव्यापी युद्ध' के अंग के रूप में अमेरिका ने कौन सा ऑपरेशन चलाया?
8. 'हेगेमनी' शब्द का अर्थ बताइये?
9. इंटरनेट किस परियोजना का परिणाम है?
10. बैंड-वेगन नीति क्या है?
11. अमेरीकी वर्चस्व से बचने का तरीका कौन-सा है?
12. 9/11, 2001 में अमरीकी हमलों के लिए किस आतंकवादी को जिम्मेदार माना गया।
13. इंटरनेट के जरिए वर्ल्ड वाइड वेव का हिन्दी अर्थ बताइये?

एक अंकीय प्रश्न के उत्तर

1. ''ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म''।
2. भारत, चीन और जापान।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3. सोवियत संघ के विघटन के बाद।

4. इराक और लगभग उप देशों की एक संगठित फौज के बीच लड़ा गया था।

5. प्रथम खाड़ी युद्ध

6. 'ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच''।

7. 'ऑपरेशन एन्डयूरिंग फ्रीडम'।

8. 'हेगेमनी' शब्द से किसी एक राज्य के नेतृत्व या प्रभुत्व की जानकारी मिलती है।

9. इंटरनेट अमेरिकी सैन्य अनुसंधान परियोजना का परिणाम है।

10. अमेरिका के वर्चस्व के विरोध में जाने के बजाय उसके तंत्र में रहते हुए अवसरों का फायदा उठाना है।

11. अमेरिकी वर्चस्व से बचने का तरीका अपने को 'छुपा लेने' की नीति से है।

12. अलकायदा व तालिबान आतंकवादी संगठन।

13. जगत-जोड़ता-जाल।

दो अंकीय प्रश्न

1. वर्चस्व का अर्थ समझाइए?

2. बिल क्लिटंन के समय (1992-2000) में अमरीका की विदेश नीति के विषय में बताइये?

3. भारत तथा अमरीका के बीच मित्रता को दर्शाने वाले किन्हीं दो तथ्यों को उजागर कीजिए?

4. एमबीए क्या है? यह सबसे पहले कब और कहां प्रारंभ हुआ?

5. अमरीकी वर्चस्व को नाटो कैसे सीमित करता है?

6. 11 सितम्बर 2001 में अमेरिका में क्या घटना घटी?

7. समाज की उन्मुक्त-प्रकृति अमरीकी विदेशी सैनिक कार्यवाहियों पर अंकुश लगाती है?

8. इंटरनेट प्रणाली पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए?

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।

2. लोकतंत्र को बढ़ावा, जलवायु परिवर्तन तथा विश्व-व्यापार जैसे 'नरम मुद्दों' पर ध्यान दिया गया?

3. सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भारत के कुल निर्यात का 65 प्रतिशत अमरीका को जाता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

– उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की 15 प्रतिशत कंपनियों का प्रारंभ अमरीका में बसे भारतीयों ने किया है?

4. मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की अकादमी डिग्री है।

5. उत्तर स्मरणीय बिन्दु देखें

6. 11 सितम्बर 2001 को अरब देशों द्वारा 19 अपरणकर्ताओं में चार अमरीकी व्यवसायिक विमानों पर अधिकार कर लिया दो विमान वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के उत्तर व दक्षिणी टावर से टकराए तीसरा पेंटागन (USA का रक्षा विभाग मुख्यालय) से टकराया चौथा विमान पेन्सिलवेनिया के खेत में गिरा।

7. अमरीकी समाज जो अपनी प्रकृति में उन्मुक्त है। अमरीका के विदेशी सैन्य-अभियानों पर अंकुश लगाती है। जैसे वियतनाम संघर्ष को अमरीकी जनमत के प्रभाव के कारण ही समाप्त करना पड़ा था।

8. इंटरनेट 1950 में शुरू हुआ था। अमेरिकी सैन्य अनुसंधान परियोजना का परिणाम है। यह उपग्रहों के वैश्विक तंत्र पर निर्भर है। इसमें अधिकांश उपग्रह अमरीका के है। यह वैश्विक सार्वजनिक वस्तु का उदाहरण है?

चार अंकीय प्रश्न :-

1. किन्हीं चार वास्तविक घटनाओं का उल्लेख कीजिए जिनसे विश्व राजनीति में शीतयुद्ध के उपरान्त बदलाव आये।

2. अमरीका द्वारा 2003 में इराक पर आक्रमण के दो कारण व दो परिणामों का आलोचनात्मक वर्णन कीजिए।

3. समुद्री व्यापार मार्ग (सीलेन आवे कम्यूनिकेशन्स – SLOCS) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. विश्व की अर्थव्यवस्था में अमरीका का क्या स्थान है। इसका उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

5. आप किस प्रकार से अमेरिका की शक्ति का आकलन एक प्रमुख शक्ति के रूप में करेंगे?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

फौजी की वर्दी और दुनिया का नक्शा !
यह कार्टून क्या बताता है?

6. ऊपर दिये बए कार्टून को ध्यान से देखिए तथा निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

क) फौजी की वर्दी अमेरिका के किस वर्चस्व को दर्शाती है?

ख) दुनिया का नक्शा से कार्टूनिस्ट अमेरिका की किस संस्था की अवहेलना कर रहा है?

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. - प्रथम खाड़ी युद्ध।
   - कोसोवों में सैनिक कार्रवाई।
   - 9/11 की घटना और आतंकवाद के विरुद्ध विश्वव्यापी युद्ध।
   - इराक पर आक्रमण।

2. कारण -
   - सामूहिक संहार के हथियार बनाने से रोकना।
   - इराक के तेल भंडार पर नियन्त्रण और इराक में USA की मनपसन्द सरकार की स्थापना।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

परिणाम–

- सद्दाम हुसैन की सरकार का पतन।
- इराक में अमरीका के विरुद्ध विद्रोह का आरंभ।

3. - समुद्री व्यापार मार्ग का प्रयोग व्यापारिक जहाजों द्वारा किया जाता है।
   - वैश्विक अर्थव्यवस्था में इन मार्गों में खुलापन होना आवश्यक है।
   - वर्चस्व वाला देश अपनी नौसेना की शक्ति के बल पर इन मार्गों की आजादी पर नियम निश्चित करता है।
   - द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटिश नौसेना शक्ति कम होने से यह भूमिका अमेरिका निभाता है।
   - अमेरिकी नौसेना की उपस्थिति विश्व के सभी महासागरों में है।

4. - विश्व की अर्थव्यवस्था में अमरीका की भागीदारी 28% है।
   - हर क्षेत्र में अमरीका की कोई न कोई कम्पनी अग्रणी तीन कम्पनियों में से है।
   - अमरीका की वैश्विक अर्थव्यवस्था में उपर्युक्त स्थिति बैंडवैगन प्रणाली है। (जैसी बहे व्यार पीठ तैसी कीजै), इसकी स्थापना अमरीका द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की गई थी।
   - इसमें विश्व बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व व्यापार संगठन है।

5. साम्यवाद के प्रसार को रोकना– अमेरिका ने खुलकर साम्यवादी देशों की विदेश नीति पर प्रहार किया।
   - अमेरिकी विदेश नीति का दूसरा उद्देश्य सैनिक हितों से संबंधित था। नाटो, सिएटो, सेंटो द्वारा अपने साथ मिलाना।
   - लोकतंत्र का समर्थन किया साम्यवाद तथा उपनिवेशवाद का विरोा।
   - ऋण व आर्थिक सहायता अपनी शर्तों पर देता था ताकि वे उसके साथ रहें।

6. क) फौजी की वर्दी अमेरिका की सैनिक शक्ति को दर्शाती है।

   ख) अमेरिका ने इराक पर हमला किया उसमें संयुक्त राष्ट्र संघ की अवहेलना तथा अनदेखा किया।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

छः अंकीय प्रश्न :-

1. सैन्य शक्ति के रूप में अमेरिका के वर्चस्व की व्याख्या कीजिए।
2. संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत के बदलते संबंधों का मूल्यांकन कीजिए।
3. 11 सितम्बर 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आक्रमण के उपरांत आतंवाद के खिलाफ विश्वस्तरीय युद्ध में संयुक्त राज्य अमरीका की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
4. अमरीका के वर्चस्व की सांस्कृतिक शक्ति के विषय में विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
5. अमरीका के वर्चस्व से निबटने के विभिन्न उपायों के विषय में बताइये।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. - अमरीका की सैन्य शक्ति सक्षम है। यह अपनी सेना को युद्ध भूमि से अधिकतम दूरी पर सुरक्षित रखकर दुश्मन को उसके घर में ही मार गिरा सकता है।
   - अमेरिका की सैन्य शक्ति के बराबर विश्व में कोई देश नहीं है।
   - पेंटागन अपने बजट का बड़ा भाग रक्षा अनुसंधान और विकास पर खर्च करता है।
   - अमेरिका सेना की कमान अमेरिका तक नहीं पूरे विश्व में सम्मिलित है। इसकी 5 कमाने हैं।
   - अमरीका की विजय क्षमता विकट है। इसी प्रकार अपरूद्ध करने और दण्ड देने की भी उसकी क्षमता स्वतः सिद्ध होती है।
   - अपने अधिकृत भू-भाग में कानून व्यवस्था स्थापित नहीं कर सका।
2. शीतयुद्ध के दौरान भारत और अमरीका के संबंध मधुर नहीं थे। लेकिन हाल ही में संबंधों में सुधार हुआ है।
   - भारत में साफ्टवेयर के कुल निर्यात का 65% अकेला अमरीका प्रयोग करता है।
   - बोइंग का 35 प्रतिशत तकनीकी स्टाफ अनुमानतः भारतीय मूल का है।
   - अमरीका की सिलिकॉन वैली में लगभग 3 लाख भारतीय हैं।
   - उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की 15 प्रतिशत कंपनियों की शुरूआत अमरीकी-भारतीयों ने की है।
3. 9/11 के प्रत्युत्तर में अमरीका का रुख तेज और आक्रमक था। आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध के भाग के रूप में अमरीका ने 'ऑपरेशन एन्डयूरिंग फ्रीडम' प्रारंभ किया। यह ऑपरेशन सभी संदिग्ध संगठनों मुख्यतः अलकायदा और तालिबान के विरुद्ध था। अमरीका ने विश्व स्तर पर गिरफ्तारियां

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

की और उनमें से कई को अन्तर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप से बचने के लिए क्यूबा के निकट गवान्तलामों की खाड़ी में रखा गया।

4. – सामाजिक, राजनीतिक तथा विचारधारा के आधार पर दबदबा होना।
   – खानपान द्वारा (मैकडान्लडीकरण)
   – जींस का प्रचलन
   – अच्छे जीवन और व्यक्तिगत सफलता की धारणा।

5. – विभिन्न देशों को अमेरिकी वर्चस्व का लाभ उठाना चाहिए।
   – अमेरिका से दूरी बनाए रखना।
   – राज्येतर संस्थाएं आगे आएं और प्रतिकार करें।
   – स्वयंसेवी संगठन
   – सामाजिक आन्दोलन, मीडिया, बुद्धिजीवी, कलाकार इत्यादि।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com